**भारत सरकार**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1981**

**दिनांक 2 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक**

**1981. डॉ. राजेश मिश्रा:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के आंकडों के अनुसार,देश ने संयुक्त राष्ट्र विकास सूचकांक (एचडीआई) में अपनी स्थिति में सुधार किया है और यह 193 देशों में से 134 वें स्थान पर आ गया है;

(ख) यदि हां, तो उन तीन प्रमुख आयामों का ब्यौरा क्या है जिनके कारण देश ने सफलतापूर्वक अपनी स्थिति में सुधार किया है; और

(ग) यूएनडीपी के प्रमुख निष्कर्षों और भारत में मानव विकास सूचकांक में सुधार के लिए समयबद्ध सुधार हेतु इसके सुझावों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)**

(क): संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) की गणना के आधार पर विभिन्न देशों की रैंकिंग बनाता है। यूएनडीपी की मानव विकास रिपोर्ट 2023/2024 के अनुसार, 193 देशों में भारत की रैंक एक स्थान सुधरकर 134 हो गई है।

(ख): मानव विकास सूचकांक, मानव विकास के मुख्य आयामों अर्थात् दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन, सुशिक्षित होना और 33.33% के बराबर मान वाली बेहतर जीवन-शैली में औसत उपलब्धि का संक्षिप्त आंकलन है। इन तीन आयामों को आगे मानव विकास के 4 संकेतकों अर्थात् स्वास्थ्य से जन्म के समय जीवन-प्रत्याशा (एलईबी), शिक्षा से स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष (ईवाईएस) और स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष (एमवाईएस), और आय से

प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय (जीएनआई) आय (पीपीपी $) में विभाजित किया गया है। एचडीआई 2023/2024 रिपोर्ट में भारत के प्रदर्शन का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

| एचडीआई के संकेतक | इकाई | मूल्य | |
|---|---|---|---|
| | | 2021 | 2022 |
| | | 0.633 | 0.644 |
| जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (एलईबी) | वर्ष | 67.2 | 67.7 |
| स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष (ईवाईएस) | वर्ष | 11.9 | 12.6 |
| स्कूली शिक्षा का औसत वर्ष (एमवाईएस) | वर्ष | 6.7 | 6.6 |
| प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) | 2017 (पीपीपी $)* | 6,590 | 6,951 |

*स्रोत: https://hdr.undp.org/content/human-development-report-2023-24*
** पीपीपी-क्रय शक्ति समता दरें*

(ग): यूएनडीपी के मुख्य निष्कर्षों और भारत में मानव विकास सूचकांक में सुधार करने के लिए समयबद्ध सुधार हेतु इसके सुझावों का ब्यौरा निम्नानुसार है

(i) वर्ष 2021 में गिरावट के बाद, वर्ष 2023/2024 रिपोर्ट में भारत का एचडीआई मान 0.633 से बढ़कर 0.644 हो गया है, जिससे देश मध्यम मानव विकास श्रेणी में आ गया है।

(ii) एचडीआई 2023/2024 रिपोर्ट में, भारत ने सभी एचडीआई संकेतकों – जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) में सुधार देखा। जीवन प्रत्याशा 67.2 से बढ़कर 67.7 वर्ष हो गई, स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष 12.6 तक पहुंच गए, स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष बढ़कर 6.6 हो गए, और प्रति व्यक्ति जीएनआई में $ 6,590 से $ 6,951 की वृद्धि देखी गई।

(iii) भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मानव विकास में उल्लेखनीय प्रगति दर्शाई है। 1990 के बाद से, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 9.1 वर्ष बढ़ गई है; स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्षों में 4.6 वर्ष की वृद्धि हुई है, और स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों में 3.8 वर्ष की वृद्धि हुई है। भारत की प्रति व्यक्ति जीएनआई में लगभग 287 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

(iv) महिलाओं के नेतृत्व में विकास और लोगों और इस ग्रह के लिए डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारत और अधिक सामाजिक-आर्थिक प्रगति हासिल कर सकता है, जिससे सभी के लिए अपेक्षाकृत और अधिक उज्जवल और अधिक न्यायसंगत भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

*****